

6/10/24

का. वी. डी. जॉर्ज एवं वहील प्रबोधि अनुपमित।  
युंदि काका वही अरुण पोषी अरुण सापिनी मं  
स्वार्थि किय जा युम हे शी. प्र.पा. 212 RTA का  
वही आनित्य शीप नही ह पाता हो पाका शीपल  
दा स्वार्थि किय पाता ह

का. जेहल गुणल ह, कापिल गुणल ह

